राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–176/2026

बिहार के विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर का एक समान पाठ्यक्रम तैयार होगा

- **01 से 06 सितंबर तक लोक भवन में छः दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम**
- **46 पीजी कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने में 150 से अधिक विषय विशेषज्ञ और शिक्षक होंगे शामिल**

पटना 31 अगस्त, 2026 :– बिहार के विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर की पढ़ाई के लिए अब एक समान पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा। इसके लिए बिहार लोक भवन में 01 से 06 सितंबर तक छः दिवसीय शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें दो वर्षीय पीजी के तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर तथा एक वर्षीय पीजी के प्रथम और द्वितीय सेमेस्टर का पाठ्यक्रम तैयार किया जाएगा। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 और यूजीसी के दिशा–निर्देशों के अनुरूप की जा रही है।

इस संबंध में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार सिंह ने बताया कि इस कार्य के लिए बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों से 150 से अधिक विषय विशेषज्ञों और शिक्षकों को लोक भवन बुलाया गया है। इस दौरान राज्य के विश्वविद्यालयों में चल रहे सभी 46 पीजी कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम तैयार किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि नए पाठ्यक्रम में प्रत्येक सेमेस्टर के लिए 22 क्रेडिट की समान व्यवस्था होगी तथा विद्यार्थियों को अपनी रुचि और भविष्य की जरूरत के अनुसार विषय चुनने के अधिक विकल्प मिलेंगे। तृतीय सेमेस्टर में विषय से जुड़े वैकल्पिक और कौशल विकास के पाठ्यक्रम के साथ शोध का विकल्प भी होगा। चतुर्थ सेमेस्टर में विद्यार्थी विशेष विषयों की पढ़ाई, शोध परियोजना या शोध आधारित पाठ्यक्रम में से विकल्प चुन सकेंगे।

श्री दीपक कुमार सिंह ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य स्नातकोत्तर पीजी शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर करना और सभी विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम में एकरूपता लाना है। नए पाठ्यक्रम में विषय की गहरी जानकारी के साथ विद्यार्थियों के कौशल विकास पर भी जोर दिया जाएगा। इसे बिहार में लागू चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम से भी जोड़ा जा रहा है, ताकि स्नातक के बाद स्नातकोत्तर की पढ़ाई में बेहतर तालमेल बना रहे।

उन्होंने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया माननीय राज्यपाल–सह–कुलाधिपति के मार्गदर्शन में की जा रही है। इसका उद्देश्य राज्य के विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और एकरूपता को बेहतर बनाना है।

आगे पृष्ठ 2 पर.....

छः दिवसीय अभ्यास के बाद तैयार प्रारूप पाठ्यक्रमों की देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ विषय विशेषज्ञों से समीक्षा कराई जाएगी। उनके सुझावों को शामिल करने के बाद संबंधित विश्वविद्यालयों के सांविधिक निकायों से स्वीकृति ली जाएगी। इसके बाद माननीय राज्यपाल की सहमति और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर पाठ्यक्रमों को अधिसूचित किया जाएगा तथा बिहार के विश्वविद्यालयों में लागू किया जाएगा।

छः दिवसीय कार्यक्रम के बाद तैयार किए गए पाठ्यक्रमों की देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ विषय विशेषज्ञों से समीक्षा कराई जाएगी। उनके सुझाव शामिल करने के बाद नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर इन्हें अधिसूचित कर विश्वविद्यालयों में लागू किया जाएगा।

.....